विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 12-01-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

उपपद विभक्तिः

उपपद विभक्ति - जो विभक्ति किसी पद विशेष (प्रायः अव्यय) के योग में आती है उसे उपपद विभक्ति कहते हैं। जैसे 'सह' के योग में तृतीया उपपद विभक्ति होती है।

कारक तथा उपपद विभक्ति - यदि कहीं कारक तथा उपपद विभक्ति दोनों भिन्न-भिन्न हों, तो वहाँ कारक विभक्ति को ही बलवान् मानकर उसका प्रयोग किया जाता है। जैसे 'नमस्करोति' क्रिया के कर्म में द्वितीया कारक विभक्ति का प्रयोग उचित है (नमस्करोति = नमः + करोति) भले ही नमः के योग में चतुर्थी उपपद विभक्ति का नियम रहता ह

उदाहरण - गुरुभ्यः नमः, गुरून् नमस्करोमि। प्रथम वाक्य में नमः के योग में गुरुभ्यः में चतुर्थी उपपद विभक्ति का प्रयोग उचित है किंतु द्वितीय वाक्य में नमस्करोति क्रिया के साथ कर्म (गुरून्) में द्वितीया विभक्ति का प्रयोग उचित है।

प्रथमा विभक्ति

1. किसी शब्द का नियत अर्थ बताने में, लिंग का बोध कराने में, परिमाण का ज्ञान कराने में, वचन मात्र के निर्देश में प्रथमा विभक्ति होती है।

(क) प्रातिपदिक का अर्थ बताने में-कृष्णः (कृष्ण), श्रीः (लक्ष्मी), ज्ञानम् (ज्ञान) शब्दों में नियत अर्थ बताने के लिए प्रथमा विभक्ति प्रयुक्त हुई है।

(ख) लिंग का बोध कराने में - तटः (पुल्लिङ्ग), तटी (स्त्रीलिङ्ग), तटम् (नपुंसकलिङ्ग) शब्द में प्रथम विभक्ति है।

(ग) परिमाण मात्र में - द्रोणो व्रीहिः (द्रोण भर चावल)। यहाँ द्रोणः प्रथमा विभक्ति है तथा यह व्रीहिः का विशेषण हो गया है।

(ग) वचन का ज्ञान कराने में-एकः (एकवचन), द्वौ (द्विवचन), बहवः (बहुवचन) शब्दों में प्रथमा विभक्ति है तथा विशिष्ट संख्या की सूचना भी मिलती है।

2. कर्तृवाच्य के कर्ता में प्रथमा विभक्ति होती है। जैसे-'अहम् गृहं गच्छामि' वाक्य में गच्छामि क्रिया का कर्ता अहम् है।

3. कर्मवाच्य के कर्म में प्रथमा विभक्ति होती है। जैसे-'रामेण पत्र लिख्यते' में 'पत्रम्' में कर्म होने पर कर्मवाच्य के कारण प्रथमा विभक्ति है। ('वाच्य-परिवर्तन' में अन्य उदाहरण देखिए।)

4. सम्बोधन में-हे बालिकाः। अत्र आगच्छत। यहाँ 'बालिका' में प्रथमा विभक्ति ह

1. वाक्य में प्रयुक्त शब्दों में से कर्ता क्रिया के द्वारा जिसको सबसे अधिक चाहता है उसे कर्म कहते हैं। उस पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है। यदि वाक्य कर्तृवाक्य में हो तो कर्म